

Importance of TLM and Working Model



Presented By:

Mr. Shiv Charan Patel

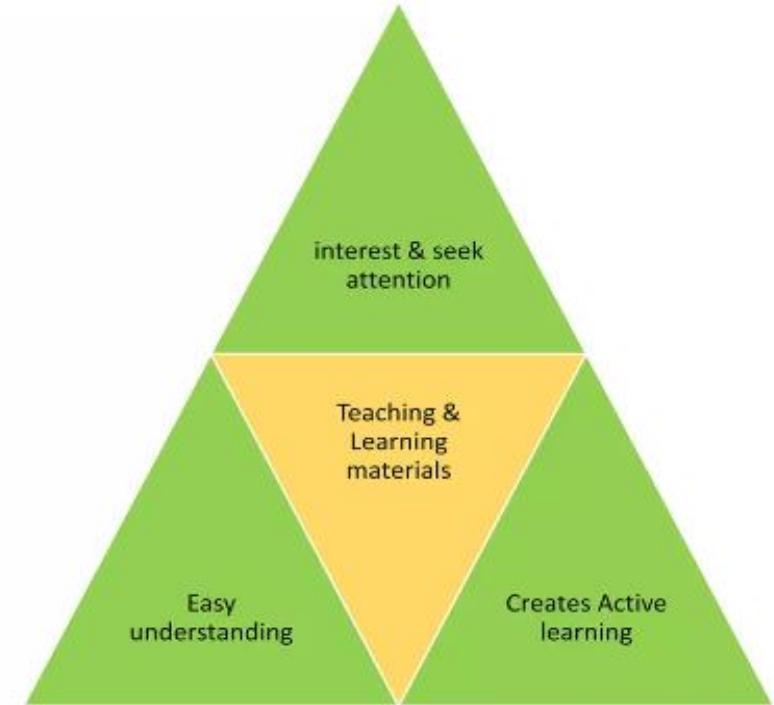
Assistant Professor

Department of Education

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University Kanpur 208024

टी.एल.एम. क्या हैं ?

- टी.एल.एम. को निर्देशात्मक सामग्री के रूप में भी जाना जाता है ।
- शिक्षक के द्वारा टी.एल.एम. का प्रयोग शिक्षण प्रक्रियाओं को प्रभावी, सहज और रुचिपूर्ण बनाता है ।
- इसमें सक्रिय शिक्षण और मूल्यांकन शामिल है ।



उद्देश्य

- विद्यार्थियों के अधिगम को बढ़ाने में अध्यापन अधिगम सामग्री के महत्व की व्याख्या कर सकेंगे।
- उनकी विशेषताओं के आधार पर अध्यापन अधिगम सामग्री का वर्गीकरण कर सकेंगे।
- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न अध्यापन अधिगम सामग्री के उपयोग का अंतर स्पष्ट कर सकेंगे।
- स्थानीय रूप में उपलब्ध सामग्रियों के उपयोग से कम लागत के अध्यापन अधिगम सामग्री तैयार कर सकेंगे।
- अध्यापन अधिगम सामग्री के अभिकल्पन तथा विकास में विद्यार्थियों को सम्मिलित करना आरंभ कर देंगे।
- अध्यापन अधिगम सामग्री खोजने के लिए वैब का प्रयोग कर सकेंगे।

Draw
picture of a
Rabbit.



Draw picture of
a Rabbit.



टी.एल.एम. के सिद्धांत

Principles of TLM'S:

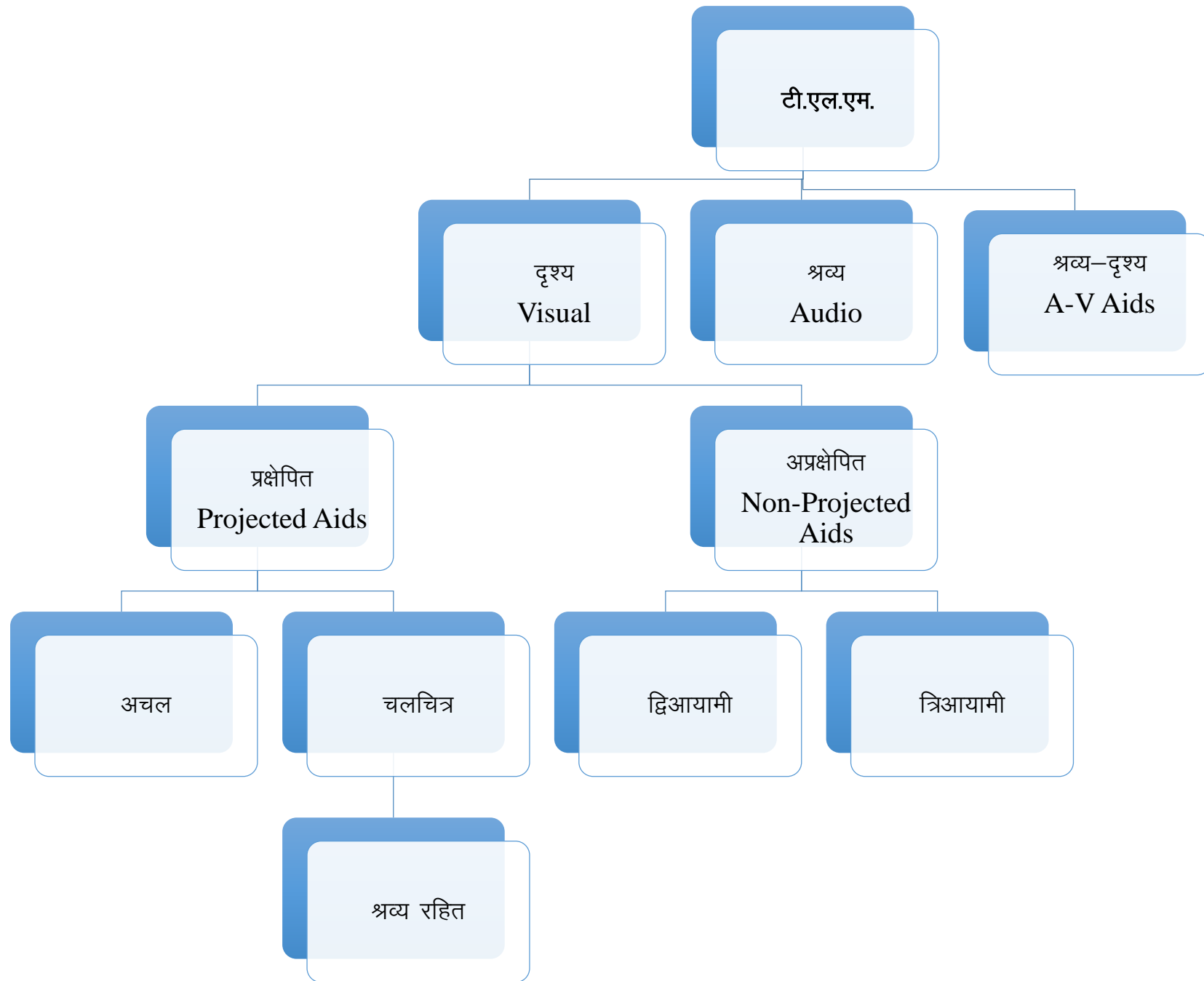


टी.एल.एम की विशेषताएं:

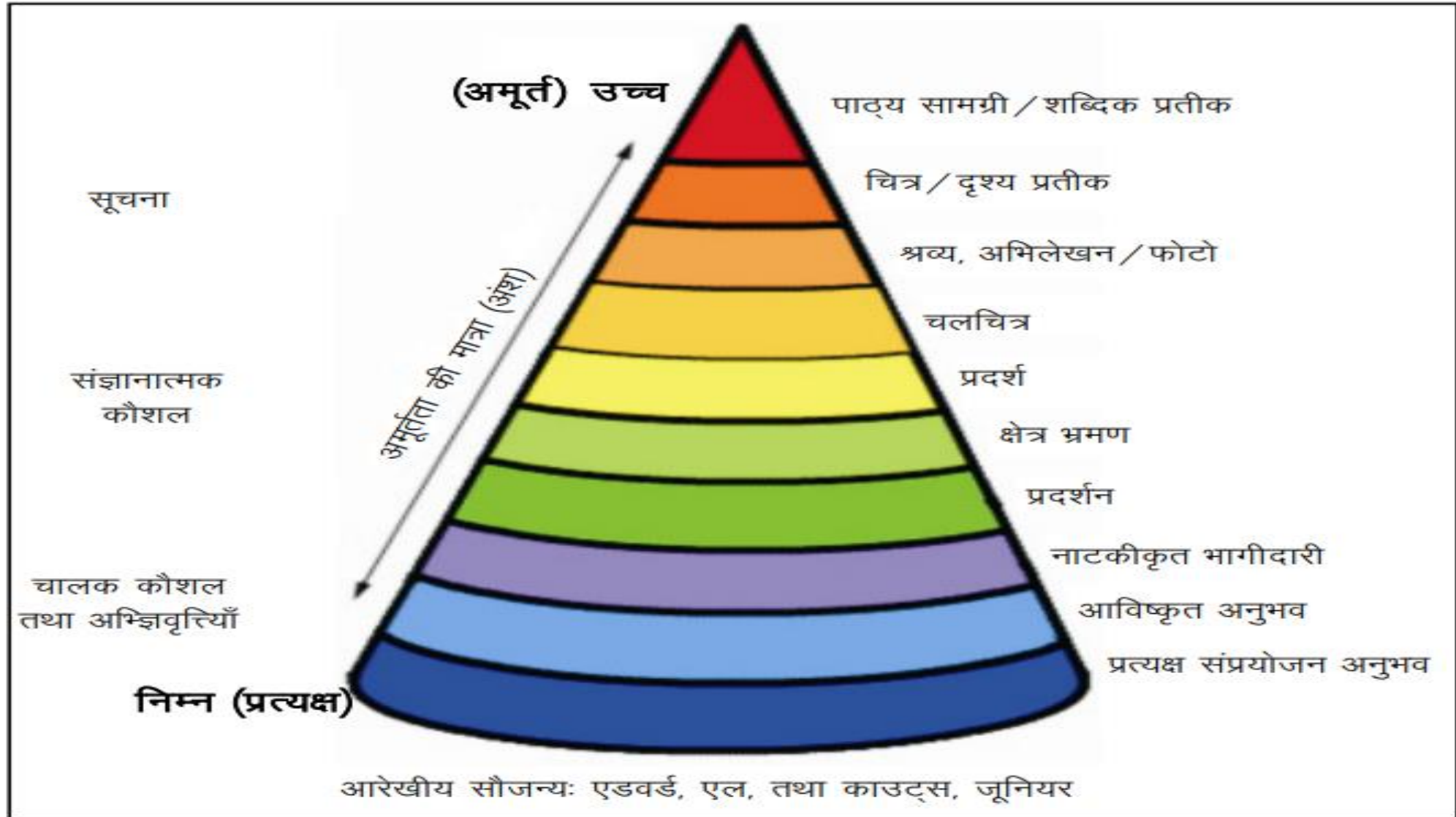
- उपयुक्त सामग्री का चयन
- सुगम / सहज / सरल
- आत्म-निर्देशित / आत्मबल
- स्व-अधिगम
- रोचकता
- समय की बचत
- कम खर्चीली
- सहायक सामग्री की उपलब्धता

आवश्यकता एवं महत्व

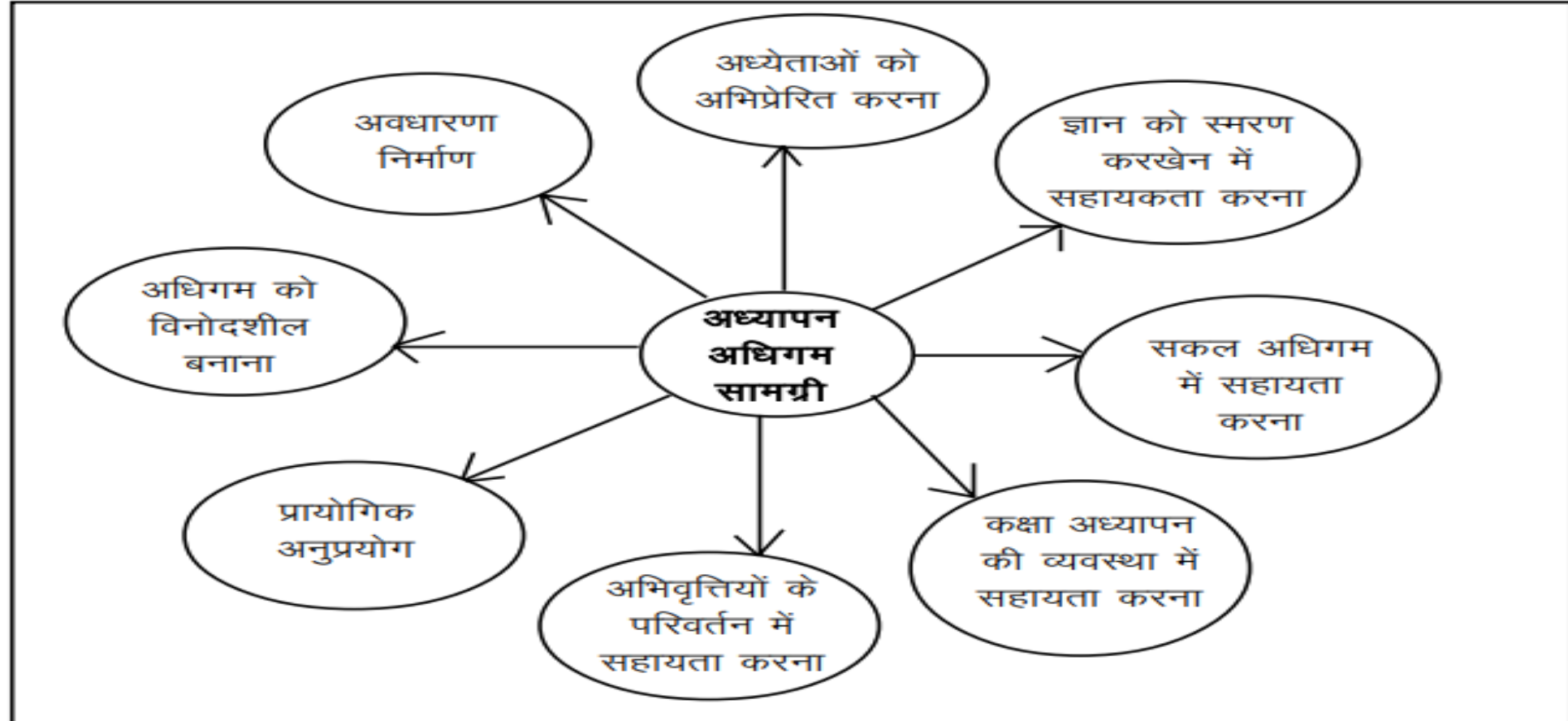




एडगर डेल द्वारा प्रस्तुत 'अनुभव शंकु'



अध्यापन अधिगम सामग्री प्रयोजन



टी.एल.एम. का कहाँ प्रयोग करें ?

- जब वस्तु इतनी बड़ी हो कि कक्षा में न ला सकें; जैसे – हाथी ।
- जब वस्तु इतनी छोटी हो कि कक्षा में आसानी से न देख सकें; जैसे – एटम ।
- जो वस्तु विलुप्त हो चुकी हो; जैसे – डाइनासोर, गिद्ध इत्यादि ।
- जो वस्तु सरलता से उपलब्ध न हो; जैसे – पुराने सिक्के ।
- जब वस्तु तीव्रगामी हो; जैसे – जहाज, राकेट ।
- जब वस्तु का निरन्तर विकास दिखाना हो; जैसे– मच्छर कैसे पैदा होते हैं ?
- जब वस्तु की गति न दिखे; जैसे– विद्युत ।
- जब आन्तरिक क्रियाएँ बतानी हों; जैसे – मानव की पाचन क्रिया ।
- जब दूर की वस्तु का ज्ञान देना हो; जैसे – विभिन्न देशों के कपड़े, परम्पराएँ आदि ।

क्रिया आधारित प्रतिमान (Working Model)

यह एक ऐसा मशीन का मॉडल है जो छोटे पैमाने पर कार्य करता है।

उदाहरण – वैज्ञानिक मॉडल, भौगोलिक मॉडल।

गुण –

- विद्यार्थियों की सहभागिता।
- सृजनात्मकता / चिन्तन शक्ति / तर्क शक्ति में वृद्धि।

दोष –

- अधिक खर्चीला।
- समय का अपव्यय।
- कच्चे मॉल का क्षय / संसाधनों का दोहन।

<https://youtu.be/5ZzqY628fXs>

<https://youtu.be/1DnOXTU1TNk>

<https://youtu.be/UtczUKEuiR4>

<https://youtu.be/z7mpCGDX-AQ>

बोध प्रश्न

- अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया में अध्यापन अधिगम सामग्री को प्रयोग करने के पीछे क्या उद्देश्य / प्रयोजन हैं? व्याख्या करें।
- रिक्त स्थानों को भरें:
- चार्ट एक प्रकार का अध्यापन अधिगम सामग्री है।
 - टेलीविज़न एक प्रकार का अध्यापन अधिगम सामग्री है।
 - ओ.एच.पी. का पूरा रूप है।
 - अप्रक्षेपित त्रिआयामी अध्यापन अधिगम सामग्री के दो उदाहरण तथा है।
 - श्रव्य-दृश्य अध्यापन अधिगम सामग्री का सबसे बड़ा लाभ है।

THANK YOU!